पाठ 9 चतुराई और विनम्रता

प्रस्तावना, आदर्श पठन,नए शब्द

CLASS: IV
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 9
TOPIC: चतुराई और विनम्रता
SUB TOPIC: प्रस्तावना, आदर्श पठन, नए शब्द

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ 9

चितन-मनन

हर प्राणी को अहंकार का त्याग करना चाहिए। अहंकार से ही शत्रु बन जाते हैं। मधुर वाणी से स्वयं तथा दूसरों को भी प्रसन्नता मिलती है।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

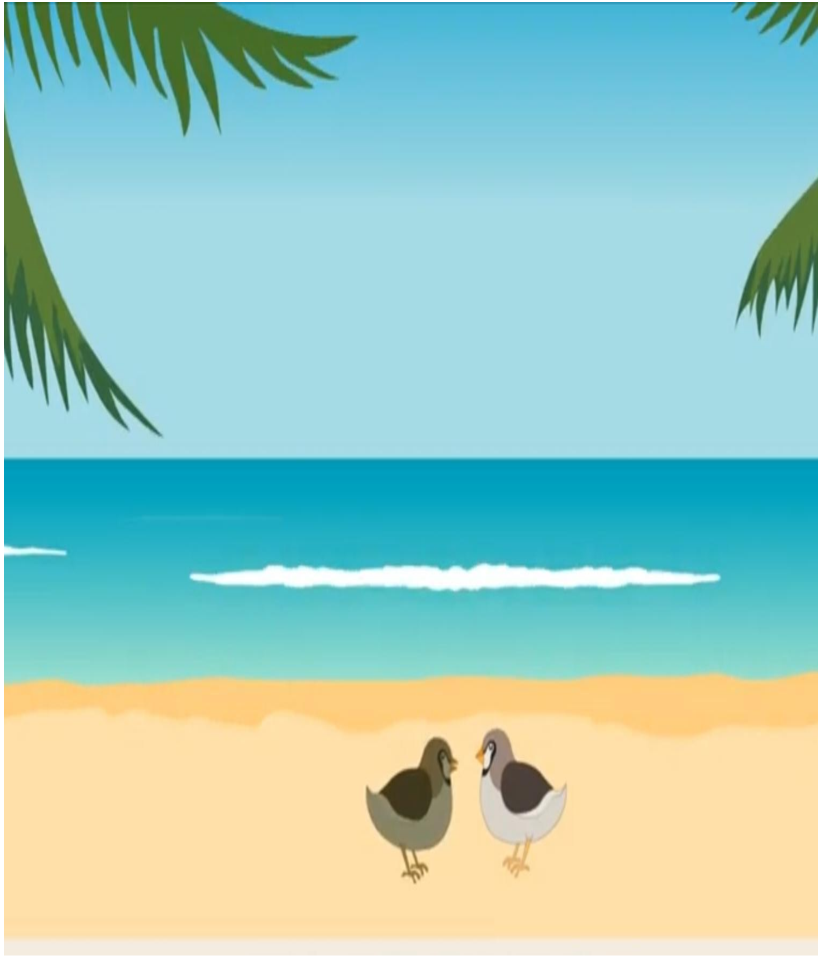

समुद्र के किनारे एक टिटहरी अपने पति के साथ रहती थी। जब उसके अंडे देने का समय आया तो उसने अपने पति से कहा, "आप कोई सुरक्षित स्थान खोजिए, जहाँ पर मेंअंडे दे सकूँ।"घमंडी पति ने कहा, "तुम यही समुद्र के किनारे अंडे दो समुद्र में हमारे अंडे वहा ले जाने की हिम्मत नहीं है।" यह बात समुद्र ने सुन ली। उसने सोचा, "इस छोटे से पक्षी की यह हिम्मत कि वह मुझे कुछ समझता ही नहीं।"उसने टिटहरी के पति को सबक सिखाने का फ़ैसला किया।

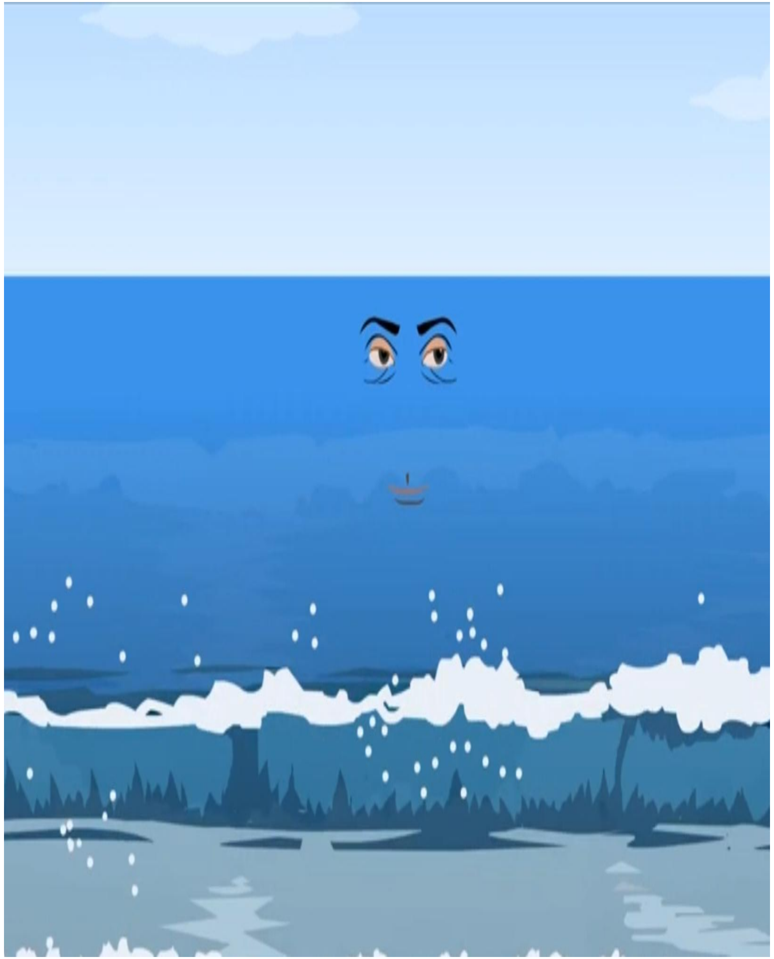

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

जब टिटहरी ने अंडे दिए तो समुद्र अपने ज्वार के साथ उन्हें बहा ले गया। टिटहरी और उसके पति ने लौटने पर देखा कि उनके अंडे नहीं है। टिटहरी ने अपने पति से कहा, "देख लिया आपने, आपके घमंड के कारण हमारे अंडे पता नहीं कहाँ गायब हो गए? लगता है समुद्र उन्हें ले गया।""मैं मूर्ख नहीं। तुम देखना मैं इस दुष्ट समुद्र से बदला लूँगा। अपनी चोंच से पानी पीकर इसे सुखा दूंगा।" पति ने घमंड से कहा।

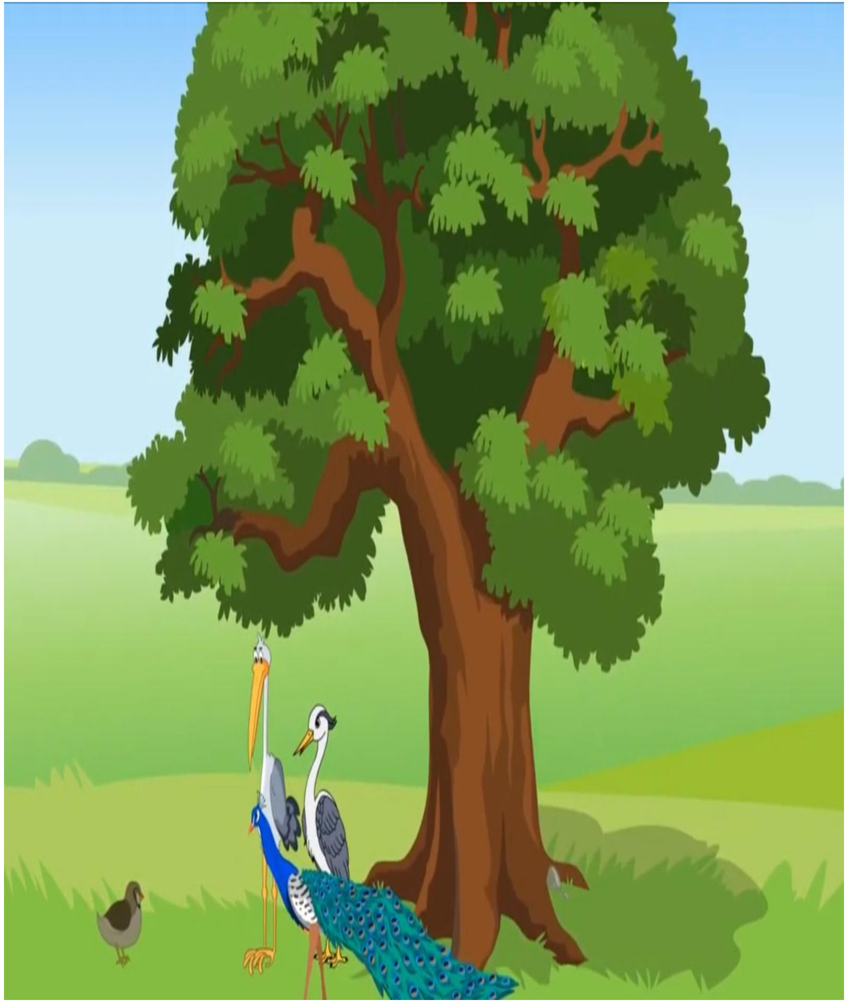

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

टिटहरी ने समझदारी से अपने पति को कहा, "आप अकेले ही इस समुद्र से बदला मत लो। छोटी-सी चाँच से इतना बड़ा विशाल समुद्र सुखाया नहीं जा सकता। अगर बदला लेना हो है तो अपने दूसरे पक्षियों को भी साथ में ले लो। सच ही कहा है कि तिनको को मिलाकर ही रस्सी बनती है, जिससे हाथी भी बाँधे जा सकते हैं।"टिटहरी की बात को सही समझते हुए पति ने बगुले, सारस, मोर आदि पक्षियों को संबोधित करते हुए कहा, "" मित्रो इस दुष्ट समुद्र ने मेरे अंडे चुरा लिए हैं इसलिए मैं इसे सबक सिखाना चाहता हूँ। इसे सुखाने को कोई उपाय बताइए।"

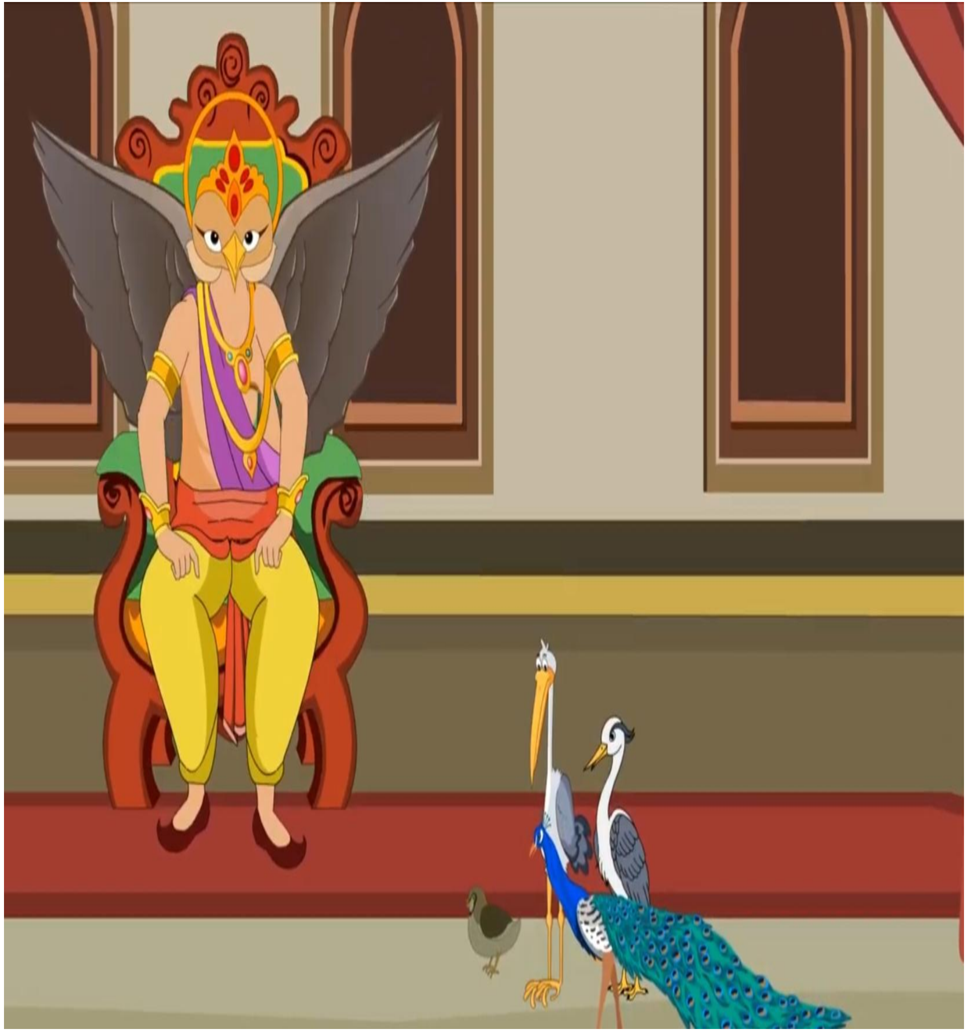

सभी पक्षियों ने आपस में चर्चा की मोर ने कहा, "हम पक्षियों में समुद्र का पानी सुखाने की शक्ति नहीं है। हमें अपने राजा गरुड़ के पास जाकर उनसे मदद माँगनी चाहिए।"सभी पक्षी अपने राजा गरुड़ के पास पहुंचे। मोर ने कहा, "महाराज, इस दुष्ट समुद्र ने आपके होते हुए भी टिटहरी के अंडे चुरा लिए हैं। इस प्रकार तो पक्षी कुल बिलकुल समाप्त हो जाएगा।

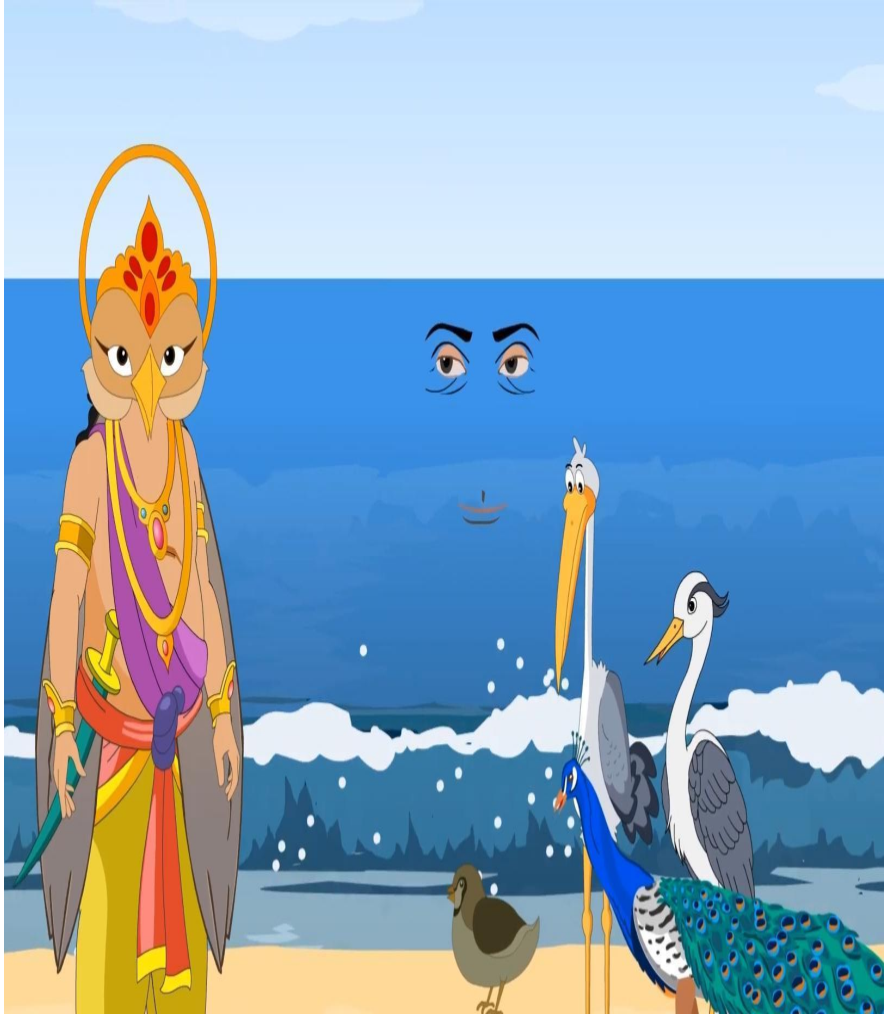

बात सुनकर गरुड़ ने उत्तर दिया, "आप लोग ठीक कह रहे हैं। मैं अभी जाकर समुद्र से बात करता हूँ।" गरुड़ अपने साथ कुछ पक्षियों को लेकर समुद्र के पास गए। उसने चतुराई से समुद्र की विशालता की प्रशंसा की , फिर टिटहरी की ओर से माफ़ी माँगी ।समुद्र गरुड़ की नम्रता से प्रभावित हुआ। उसने टिटहरी के अंडे वापस कर दिए। टिटहरी खुशी-खुशी अपने अंडे लेकर चली गई।

नए शब्द

टिटहरी
सुरक्षित
हिम्मत
सबक
ज्वार
घमंड
दुष्ट
विशाल
तिनका
चतुराई
नम्रता

गृहकार्य

कठिन शब्दों को रेखांकित करें।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शिक्षण प्रतिफल

बच्चे सही उच्चारण, विषय वस्तु और नए शब्दों की जानकारी लिये।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP